14 सितम्बर 2017 को संस्थान के हॉल क्र .02 में "हिन्दी मेरा गौरव" विषय पर हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया।

विशिष्ट वक्ता के रूप में है। उमेश सिंह संचालक - संस्कृति संचालनालय, भोपाल को आमंत्रित किया गया।

विद्यार्थियों ने अपने वक्तव्य में हिन्दी की महत्ता प्रतिपादित की तथा उन्होंने यह अनुभूत कराया कि युवा पीढ़ी अपनी भाषा के सम्मान को बढ़ाने व उसको उन्नति के लिए सतत् प्रयत्नशील है। नई पीढ़ी हिन्दी बोलने तथा पढ़ने में गर्व का अनुभव करती है। विद्यादियों ने कहा कि भारत तो ग्रामीण क्षेत्रों में बसता है अत: हमें उस भाषा का प्रयोग करना चाहिए जिसे बहुसंख्यक समाज समझ सके। हिन्दी की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निम्न सुझाव रखे

-भारत में समस्त शासकीय व अशासकीय कार्य हिंदी में ही किए जाने चाहिए।

• समस्त नियम हिन्दी में प्रचारित व प्रकाशित होत आह स्वास्थ्य सम्बंधी समस्त कार्य हिन्दी में ही होने चाहिए।

-ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं की जानकारी हिन्दी में ही दी जाएसाथ ही लाभान्वित होने वाले वर्गों की उल्लेख भी हो। ये सब जानकारियाँ लाउडस्पीकर के माध्यम से हर क्षेत्र में उद्घोषित की जानी चाहिए जिससे हर व्यक्ति को लाभ मिल सके।

"डॉ उमेश सिंह ने विद्याजियों के हिन्दी से आए होते वाले रोजगारों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियो को सफलता की

शुभकामनाएँ दो।

डॉ० संध्या प्रकाश

सूचना

संस्थान के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन संभावित हैं। उक्त आयोजन में कविता एवं कहानी पाठ किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी अपने नाम हिंदी विभाग में डॉ. संगीता सक्सेना एवं डॉ. संदीपा कालभोर के पास दिनांक 10/09/2018 तक अवश्य लिखवा दें।।

कार्यक्रम - 14/9/20218

स्थान - हॉल क्र. 02

समय - दोप. 12 बजे से 02 बजे।

इस समय में पूरे विश्व में महामारी का दौर चल रहा था भयावह स्थिति से उभरने तथा विद्यार्थियों का और उनके परिजनों का मनोबल बनाए रखने के लिए हिंदी विभाग में 14/09/ 2021 को हिंदी दिवस के उपलक्ष में विभाग के समस्त प्राध्यापक डॉ. आरती श्रीवास्तव, डॉ. आरती दुबे, डॉ. संध्या प्रसाद, डॉ. संदीप कालभोर, श्री रामानुज रघुवंशी, श्रीमती एकता गोस्वामी एवं श्री अरुण सगवलिया ने भाषिक अभिव्यक्ति के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। यह एक ऐसा संवाद रहा जिसमें विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों से संबंध स्थापित किए। जहां परिवार के परिजन कालकल्पित मानसिक पीड़ा को समझने के लिए संस्थान परिवार ने उनका संभल बना। घरों में कैद होने के कारण हमारी अभिव्यक्ति ही उनका और उनके परिवार का मनोबल बढ़ा सकती है। शासन के नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए हम अपने आपको तथा परिवार को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं यही हिंदी दिवस पर मानवीय सेवा की अनुभूति थी।

डॉ. संध्या प्रसाद

सत्र - 2019-20

हिन्दी दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के हिन्दी विभाग द्वारा"हिन्दी भाषा:विविध आयाम "विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।इस परिचर्चा में श्री सुदीप सोहनी

(फिल्मकार एवं प्रेरक वक्ता) ने हिन्दी भाषा को माध्यम बनाकर विविध प्रकार की विज्ञापन फिल्म, डा◌ॅक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण एवं उनके लिए लेखन से संबंधित बारीकियों पर विद्यार्थियों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा स्वयं के द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री के कुछ अंश भी विद्यार्थियों के साथ साझा किये।इस परिचर्चा का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य एवं भाषा के माध्यम से वह किस प्रकार अपनी रुचि के अनुसार अपने लिए कैरियर के नये विकल्प चुन सकते हैं इस बात से अवगत कराना था।परिचर्चा के इस सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्ण एवं सक्रियता से न केवल भाग लिया बल्कि विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित सुदीप सोहनी जी से कई प्रश्न पूछे जिनका बेहद रोचक ढंग से सुदीप जी ने समाधान किया।

इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सभी वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अन्य विषयों के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस (14/9/2020)

डर के आगे जीत है

(ऑनलाइन माइक्रोसॉफ्ट टीम)

कोविड 19 से पूरी दुनिया सहम गई थी। इस समय चुनौती के रूप में यह संकट हमारे समक्ष आ गया। इस वायरस से रोग का फैलना संक्रमण के कारण एक देश से दूसरे देश और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति इसका शिकार होता चला गया। विज्ञान और प्रकृति भी इससे अछूती नहीं रही। हम सबके मन में डर समा रहा था। मार्च 2020 से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लॉकडाउन लगा दिया गया। टेक्नोलॉजी ने हमे शिक्षा के लिए एक माध्यम दिया। हिंदी की कक्षाओं के माध्यम से हमने विद्यार्थियों से चर्चा की इस समय अपने अंदर के आत्मबल और मनोबल से ही हम इस संकट से उबर सकते है। संचालक आदरणीय एस. एस. विजयवर्गीय ने विभाग द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की।

इस मध्यम से हम विद्यार्थी से बात करते हुए डर के आगे जीत है के महत्व को बताया। हमारी राष्ट्रीयता, संस्कृति व परंपरा ने हमेशा से हमे यह संदेश दिया है।

सूचना

महामारी के दौर मे हम सब माइक्रो सॉफ्ट टीम पर ऑनलाइन कक्षाए ले रहे है अतः आज 14/9/2021 को हिंदी दिवस पर हम सभी हिंदी विभाग के प्राध्यापक अपनी अपनी कक्षाओं में महामारी की भयाभय स्थिति से उबरने हेतु भाषिक अभिव्यक्ति से स्वास्थ्य, स्वच्छता सुरक्षा और मानवीय संवेदना के लिए संवाद करते हुए। परिवार और समाज का मनोबल बढ़ाने का प्रयास करें।

डॉ० संध्या [illegible]

INSTITUTE FOR EXCELLENCE IN HIGHER EDUCATION, BHOPAL

LECTURE ON TRANSLATION FROM ENGLISH TO HINDI : PROCESS AND TECHNIQUES

Date :- 13th September, 2022
Time:- 12:40 pm
Venue:- Seminar Hall 2

Jointly organized by Department of Hindi & English

MISS MRINALINI PANDEY

- *(Editor at Manjul Publishing House)*
- *Gold Medalist*
- *Translated Erich Segal's Love Story into Hindi*

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल

हिन्दी विभाग

हिन्दी दिवस के सुअवसर पर प्रस्तुत करते हैं

व्याख्यान एवं संवाद

•विषय•

"प्रांजल/परिष्कृत हिन्दी : उपयोगिता/सार्थकता"

डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल

(संचालक एवं संरक्षक)

समय	दिनांक	स्थान
दोपहर 12:40	14 सितंबर 2022	सभागार क्रमांक 02

वर्ष-2022-23

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

हिन्दी दिवस के एक दिन पूर्व 13/9/22 को हिन्दी एवं अंग्रेजी विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से "अनुवाद:प्रकिया एवं तकनीक" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर सुश्री मृणालिनी पांडे द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया गया।इस व्याख्यान में हिन्दी व अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक, विद्यार्थियों के अतिरिक्त संस्थान के अन्य विभागों के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे एवं अनुवाद के महत्व पर चर्चा में सहभागिता की।

हिन्दी दिवस 14सितंबर 2022को हिन्दी विभाग द्वारा "प्रांजल/परिष्कृत हिन्दी:उपयोगिता/सार्थकता" विषय पर व्याख्यान एवं संवाद का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में संस्थान के संचालक एवं संरक्षक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया।इस व्याख्यान की परिकल्पना हिन्दी विभाग एवं विभागाध्यक्ष डॉ.संध्या प्रसाद के द्वारा की गई थी।इस कार्यक्रम में राजनीति शास्त्र विभाग से डॉ.अनीता देशपांडे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।इसके अतिरिक्त वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.आरती दुबे,डॉ.आरती श्रीवास्तव एवं एकता गोस्वामी,अरुण संगवालिया, डॉ.शिरोमणि चौहान, कमलेश कुमार पटेल,डॉ.अर्चना निगम उपस्थित रहे।

डॉ0 संध्या प्रसाद